Series BRH/2

कोड नं. **4/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

कल-कल ध्वनि करती हुई मंथर गति से जब मैं अपने पिता हिमालय की गोद से निकल पड़ी तो चंचल ही नहीं, वन भी मेरे और आकर्षित हो उठे। नदियों ने कलरव कर मेरी यात्रा के शुभारंभ की सूचना दी। दिशाएँ गूँज उठीं। फूल, वन और झिलमिलाते तारों ने अपने प्रकाश से मेरा मार्ग प्रशस्त किया। पत्थरों को तोड़ती, पहाड़ों से कूदती, चट्टानों को धकेलती, मिट्टी से मचलती, [illegible] में [illegible] अपनी धुन में आगे बढ़ती रही। आनंद से झूमते वृक्षों के हरे पत्ते मेरे आगमन पर पुलकित हो उठे। [illegible] पर्वतीय बालों की चपलता, कन्याओं की उन्मुक्त चंचलता, कुलवधुओं के पारस्परिक हास-परिहास, विहगों की मीठी बोली, मयूरों की थिरकन तथा कुसुमित प्रकृति की मनोहरता एवं रमणीयता आदि को देख और सुनकर मैं खुशी से झूम उठी। कभी-कभी तो विशाल शिलाखंडों ने मेरा वेग रोकने की इच्छा से मेरा मार्ग भी अवरुद्ध कर दिया, किन्तु उन्हें [illegible] कुछ क्षण के लिए रुक, मैं पुनः अपने मार्ग पर चल पड़ी। रुकना मुझे स्वीकार नहीं। मुड़कर पीछे देखना भी मैंने जाना नहीं। मैं जीवनदायी हूँ। गतिमय, रसमय और आनंदमय जीवन से परिपूर्ण।

(क) गद्यांश में किसकी यात्रा का संकेत मिलता है ?
- (i) नारी की
- (ii) सेनानी की
- (iii) गंगा की
- (iv) [illegible] की

(ख) 'पिता की गोद' का आशय है :
- (i) झरना
- (ii) समुद्र
- (iii) पर्वत
- (iv) बादल

(ग) पत्थरों को नदी ने रास्ते से कैसे हटाया ?
- (i) ललकार कर
- (ii) धकेलकर
- (iii) टुकड़े-टुकड़े तोड़कर
- (iv) सरलता का [illegible] दिखाकर

(ग) 'मन्द गति' शब्द का विलोमार्थक शब्द है :

(i) मंद गति

(ii) तेज गति

(iii) मस्त गति

(iv) अनुकूल गति

(ङ) कौन सा शब्द युग्म उपयुक्त विलोम नहीं है ?

(i) भोले भाले

(ii) कल-कल

(iii) असली-नकली

(iv) जड़-चेतन

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

आज यातायात के साधनों का बहुत विकास हुआ है । लाखों मोटर-गाड़ियाँ देश की सड़कों पर दौड़ती हैं । जहाँ पर पहले दो-तीन रेलगाड़ियाँ चलती थीं, वहाँ अब बीसियों गाड़ियाँ चलने लगी हैं । लेकिन भारी जनसंख्या के कारण हम सुख से यात्रा नहीं कर पाते । कभी-कभी लंबी-लंबी यात्राएँ खड़े-खड़े करनी पड़ती हैं । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विद्यालयों की संख्या पहले से कई गुनी हो गई है फिर भी अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा इसलिए रुक जाती है कि उन्हें किसी विद्यालय में प्रवेश नहीं मिलता । जहाँ जाइए भीड़ ही भीड़ दिखाई देती है । ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे स्त्री-पुरुषों का समुद्र उमड़ आया हो । बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण हम बेरोज़गारी पर काबू पाने में असमर्थ हैं । विशेष प्रशिक्षित व्यक्तियों को भी कार्य नहीं मिल पा रहा है । यदि कोई देश अपनी विशाल जनसंख्या के रोज़गार की व्यवस्था न करे तो उसमें अनेक सामाजिक बुराइयाँ पैदा होती हैं । किंतु वास्तविकता यह है कि हमारे संसाधनों पर बढ़ती जनसंख्या का दबाव गंभीर होता जा रहा है । शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन, विद्युत्-आपूर्ति आदि के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि भी अपर्याप्त सिद्ध हो रही है । और तो और, पीने का पानी, जो प्रकृति ने हमें सुलभ कर दिया था, आज दुर्लभ होता जा रहा है ।

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(i) परिवहन की समस्या

(ii) पानी की समस्या

(iii) जनसंख्या की समस्या

(iv) बेरोज़गारी की समस्या

(ख) अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा छूट जाने का कारण है
   (i) विद्यालय की फीस न दे पाना
   (ii) किसी विद्यालय में प्रवेश न मिलना
   (iii) घरेलू स्थितियों की विवशता
   (iv) माता-पिता का शिक्षित न होना

(ग) बेरोज़गारों का [illegible] में असन्तोष क्यों है ?
   (i) कार्य करने में आलस्य
   (ii) बहुत कुछ पाने की लालसा
   (iii) बढ़ती हुई जनसंख्या
   (iv) अधिक वेतन की चाह

(घ) शिक्षित नवयुवकों के लिए रोज़गार न होने का क्या परिणाम होता है ?
   (i) युवकों में फैला असंतोष
   (ii) [illegible] रोज़गार की [illegible]
   (iii) बेरोज़गारी भत्ते की माँग
   (iv) अनेक सामाजिक बुराइयों की उत्पत्ति

(ङ) गद्यांश में आए 'अनेक' शब्द के लिए उपयुक्त विपरीतार्थक है
   (i) [illegible]
   (ii) [illegible]
   (iii) [illegible]
   (iv) दुर्लभ

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

घन-घटा [illegible] है
[illegible] लगी है
[illegible] में [illegible] है
[illegible] है
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मानवीय मूल्यों का [illegible]

[illegible] है [illegible] जीवन [illegible] ।

इस युग के मानव-मोती

[illegible]

[illegible]

[illegible] स्नेह-[illegible]

[illegible] ।

[illegible] ।

(क) [illegible] है [illegible] ?

(i) जन-जन में [illegible] है ।

(ii) [illegible] है

(iii) [illegible] है

(iv) [illegible] है

(ख) [illegible] है ?

(i) [illegible] है

(ii) [illegible] नहीं है

(iii) [illegible] के [illegible] है

(iv) [illegible] है

(ग) 'इस युग के मानव-मोती' का आशय है :

(i) [illegible] है

(ii) [illegible] है

(iii) [illegible] है

(iv) [illegible] है

(घ) किस पंक्ति का आशय है कि मनुष्य में अच्छे गुणों का विकास हो रहा है ?

(i) [illegible]

(ii) [illegible]

(iii) मानवीय मूल्यों का [illegible]

(iv) सत्य का यह मौन [illegible]

(ङ) [illegible] अपना अस्तित्व किस रूप में [illegible] कर रही है ?

(i) [illegible]

(ii) [illegible]

(iii) [illegible] का [illegible] हो रहा है

(iv) [illegible]

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

बैठी गई है [illegible] आम पर
ओ श्यामे ! [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] !
[illegible]
[illegible]
और [illegible] से बचाना ।
बैठी गई है [illegible] आम पर
[illegible] ! [illegible]
और [illegible] लौटकर आती नहीं [illegible]
[illegible] ।
[illegible] !
ओ [illegible] !
थोड़ी देर को आ जाना
[illegible] बैठी जा गई है [illegible] आम पर
[illegible] मन पर लौटे ।

(क) काव्यांश में बेटी से तात्पर्य है :

(i) अपने परिवार में पल रही बेटी

(ii) महानगरों में रह रही नारी

(iii) सभी माताएँ, बहनें और बेटियाँ

(iv) खेल जगत पर छायी युवतियाँ

(ख) लहरों से जीत सकना है :

(i) दूर तक फैल जाना

(ii) खेलते ही जाना

(iii) दुर्गति से बचना

(iv) कठिनाइयाँ पार कर लेना

(ग) ओलंपिक स्वर्णों का क्या आशय है ?

(i) होड़ करना

(ii) पूरी क्षमता से खेलना

(iii) सफलता पाना

(iv) अद्भुत कारनामा करना

(घ) बेटी ने खेल-जगत की ऊँचाइयों में किसकी महत्ता सिद्ध की है ?

(i) मोबाइल

(ii) पुरुष

(iii) कर्मठ नारी

(iv) स्त्रियाँ

(ङ) कविता का शीर्षक हो सकता है :

(i) महानगर की बेटी

(ii) हमारी बेटियाँ

(iii) पुरुष का दंभ

(iv) जग की शान

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'वह हिन्दी लिख-बोल सकता है' — में क्रिया पदबंध है :

(क) है

(ख) सकता है

(ग) बोल सकता है

(घ) लिख-बोल सकता है

(ii) '<u>गाँव से बाहर</u> आम का बाग है।' वाक्य में रेखांकित का पदबंध है :

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया-विशेषण

(घ) क्रिया

(iii) '<u>वह</u> आज खेलने नहीं गया' — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, एकवचन

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, एकवचन

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, बहुवचन

(iv) 'सब <u>बालक</u> घूमने गए थे' — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, समूहवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'सुदामा घर पहुँचा और अपने मित्र को याद करने लगा ।' वाक्य रचना की दृष्टि से है :

(क) सरल

(ख) मिश्र

(ग) संयुक्त

(घ) जटिल

(ii) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) मोहन हिन्दी पढ़ने में रुचि रखता है ।

(ख) मैंने एक आदमी देखा जो बहुत चालाक था ।

(ग) तुमने कुछ मेहनत की और सफल हुए ।

(घ) चिड़िया आकाश में उड़ रही है ।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है :

(क) अभी मेरी पुस्तक समाप्त नहीं हुई है ।

(ख) [illegible] आईं और [illegible] को देख लीं ।

(ग) सिपाही ने जो रुपए दिए थे वे खर्च हो गए ।

(घ) आजकल सभी सावधान रहें । [illegible]

(iv) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) मुझे पुस्तक पढ़ते-पढ़ते नींद आ गई

(ख) वे सुबह जल्दी उठते हैं और व्यायाम करते हैं

(ग) इस जंगल में कई खतरनाक जीव रहते हैं ।

(घ) मैंने आज वही कविता सुनाई जो लोगों को पसंद थी ।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'औषधालय' का संधि-विच्छेद है

(क) औष – धालय

(ख) औषध + आलय

(ग) औषधि – आलय

(घ) औषध + लय

(iii) 'एक + दन्त' की संधि है

(क) कोदेश

(ख) गहाल

(ग) मनोल्ह

(घ) फादेश

(iii) 'क्रीड़ाक्षेत्र' समस्त पद का विग्रह है :

(क) क्रीड़ा के लिए क्षेत्र

(ख) क्रीड़ा में क्षेत्र

(ग) क्रीड़ा और क्षेत्र

(घ) क्रीड़ा से क्षेत्र

(iv) 'नीलगगन' समस्त पद का विग्रह है :

(क) नील है गगन

(ख) नीला जो गगन

(ग) गगन में है नील

(घ) गगन का नीलापन

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'आँखों को चलाना' मुहावरे का अर्थ है

(क) निराश कर देना

(ख) भूल देना

(ग) बहुत नुकसान कर देना

(घ) लज्जित होना

(ii) 'अंधे के हाथ बटेर लगना' लोकोक्ति का अर्थ है

(क) किसी के प्रलोभन में न पड़ना

(ख) देखकर लाल होना

(ग) अयोग्य व्यक्ति को केवल अच्छी वस्तु का मिलना

(घ) थोड़ी-सी शक्ति पर घमंड होना

(iii) ____________ के बाद वह चुप हो गया — उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) अपना उल्लू सीधा करना

(ख) अंधे की लाठी

(ग) होंठों में मक्खी आना

(घ) ईंट से ईंट बजाना

(iv) जब कहना कुछ और है और करना उसके बिल्कुल विपरीत है, ऐसे के लिए कहा जाता है ____________ । उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) आसमान से गिरे खजूर में अटके

(ख) खाने के दाँत और दिखाने के और

(ग) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(घ) घर का भेदी लंका ढाए

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) कृपया आप बैठने की कृपा करें ।

(ख) कृपया करके बैठने की कृपा करें ।

(ग) आप बैठने की कृपा करें ।

(घ) आप बैठकर कृपा करें ।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) बहुत से लोगों ने यह दृश्य देखे ?

(ख) बहुत लोग ने दृश्य देखे हैं ।

(ग) बहुत लोगों ने ये दृश्य देखा है ।

(घ) बहुत लोगों ने यह दृश्य देखा है ।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) मैंने आज का पाठ पढ़ लिया ।

(ख) हमने पानी भर कर रख लिया है ।

(ग) उसने परीक्षा की तैयारी नहीं की है ।

(घ) [illegible] मैदान में झाड़ियों के [illegible] पड़ी ।

(v) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) पिताजी, मुझे कुछ कहना है ।

(ख) क्यों, तुम्हें क्या चाहिए ?

(ग) मुझे पाँच सौ रुपए चाहिएँ ।

(घ) ठीक है, कल ले लेना ।

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

जलते नभ में देख असंख्यक
स्नेहहीन नित कितने दीपक
जलमय सागर का उर जलता
विद्युत ले घिरता है बादल
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल !

(i) 'स्नेहहीन दीपक' से क्या तात्पर्य है ?

(क) दीपक जिसमें तेल नहीं है

(ख) व्यक्ति, जिसके हृदय में प्रेम नहीं है

(ग) जिसके हृदय में ईश्वर के प्रति आस्था नहीं है

(घ) जिसके हृदय में आस्था और विश्वास है

(ii) सागर का हृदय क्यों जलता है ?

(क) स्नेहहीन असंख्य तारों को देखकर

(ख) आस्थाहीन असंख्य तारों को देखकर

(ग) स्वयं स्नेहपूर्ण होने के कारण

(घ) स्वयं के जलहीन होने के कारण

(iii) कवि ने बादल की क्या विशेषता बताई है ?

(क) बादल बिजली का प्रकाश लेकर घिरता है

(ख) बादल पृथ्वी को प्रेम देने के लिए जलवृष्टि करता है

(ग) बादल वर्षा का जल लेकर आता है

(घ) बादल गर्जन करता है

(iv) 'सिहर-सिहर जलने' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) दुखों को भूल देना

(ख) कंपित प्रकाश देना

(ग) स्नेह प्रकट करते हुए जलना

(घ) धीरे-धीरे प्रकाश देना

(v) निम्नलिखित में 'नभ' शब्द का पर्यायवाची है :

(क) पथ

(ख) आकाश

(ग) सरिता

(घ) सिंधु

अथवा

दुख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
    पर इतना होवे (करुणामय)
    दुख को मैं कर सकूँ सदा जय
    कोई कहीं सहायक न मिले
    तो अपना बल-पौरुष न हिले
हानि उठानी पड़े जगत् में, लाभ अगर वंचना रही
    तो भी मन में ना मानूँ क्षय ।

(i) दुखी चित्त को क्या नहीं देने की प्रार्थना की गई है ?

(क) सांत्वना देने की

(ख) दुख दूर करने की

(ग) दुख सहन करने की

(घ) दुख पर विजय प्राप्त करने की

(ii) कवि ने 'अपना बल-पौरुष न हिले' क्यों कहा है ?

(क) मित्रों की सहायता से दुखों से लड़ना चाहता है

(ख) अपने बल-पौरुष के द्वारा दुखों से लड़ना चाहता है

(ग) अपने बल-पौरुष से संसार के दुख दूर करना चाहता है

(घ) अपने बल-पौरुष का परिचय देना चाहता है

(iii) 'लाभ अगर वंचना रही' का तात्पर्य है :

(क) लाभ होने की स्थिति में

(ख) लाभ मिलकर भी हाथ से चले जाने की स्थिति में

(ग) लाभ न मिलने की स्थिति में

(घ) लाभ के लिए प्रयत्न करने की स्थिति में

(iv) 'क्षय' शब्द से कवि क्या कहना चाहता है ?

(क) दुख

(ख) [illegible]

(ग) सुख

(घ) [illegible]

(v) कवि ने ईश्वर से क्या चाहा है ?

(क) व्यथित चित्त को शांति

(ख) बल और आत्मविश्वास

(ग) दुख झेलने के लिए सहायता

(घ) हानि-लाभ की चिंता न करना

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : $2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 5$

(क) '[illegible]' कहानी के शीर्षक की क्या सार्थकता है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए कि चाजीन ने गरिमापूर्ण ढंग से क्या-क्या काम किए, जिनसे लेखक प्रभावित हुआ।

(ग) 'कारतूस' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

(घ) कबूतरों से लेखक की पत्नी को क्या परेशानी थी ? उन्होंने उनसे छुटकारा पाने का क्या उपाय किया ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

12. "मैं किसी का लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहाफ़िज़ हूँ" इस कथन से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। 6

अथवा

'झेन की देन' पाठ में लेखक ने जापान में मानसिक रोग बढ़ने के क्या कारण बताए हैं ? इनसे छुटकारा पाने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ? खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) 'वे' सर्वनाम का प्रयोग किनके लिए हुआ है ? 1

(ख) व्यवहारवादी लोगों के सफल होने के क्या कारण हैं ? 2

(ग) आदर्शवादी लोगों ने हमेशा कैसे काम किए हैं ? समाज को उनकी क्या देन है ? 2

अथवा

बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था । उसमें पानी भरा हुआ था । हमने अपने हाथ-पाँव इस पानी से धोए । तौलिए से पोंछे और अंदर गए । अंदर 'चाजीन' बैठा था । हमें देखकर वह खड़ा हुआ । कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया । दो...झो... (आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत किया । बैठने की जगह हमें दिखाई । अँगीठी सुलगाई । उस पर चायदानी रखी । बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया । तौलिए से बरतन साफ़ किए । सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों ।

(क) पर्णकुटी के बाहर मिट्टी का बरतन रखने का क्या प्रयोजन था ? 2

(ख) चाजीन ने लेखक का स्वागत कैसे किया ? 1

(ग) चाय बनाए जाने की सारी प्रक्रिया समझाइए । 2

14. (क) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने हमें परोपकार के लिए कैसे प्रेरित किया है ? 2

(ख) सवैये में गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा देती हैं ? 1

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात क्यों कही गई है ? 2

15. बाल-जीवन में छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए लेखक क्या योजनाएँ बनाता और उसे पूरा न करने पर कैसे बहादुर बनने की सोचता ? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए । 3

अथवा

'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लेखक के सहपाठी 'ओमा' की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

16. 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर लिखिए कि टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे फिर भी एक अनजान अटूट रिश्ते से क्यों बँधे थे ? 2

खण्ड ब

17. [illegible] देते हुए मित्र को पत्र लिखिए । 5

अथवा

"एक नेत्रहीन विद्यार्थी अपनी पढ़ाई कैसे जारी रख सकता है ?" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

18. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) मोबाइल फोन का बढ़ता प्रयोग

- मोबाइल क्या और क्यों
- जीवन में अनिवार्यता
- हानि से बचने के उपाय

(ख) बदली परीक्षा-प्रणाली

- परीक्षा का बदला रूप क्या और क्यों
- मूल्यांकन का ढंग
- लाभ और हानि

(ग) खेल और शारीरिक स्वास्थ्य

- शरीर और स्वास्थ्य का सम्बन्ध
- खेल से शरीर स्वस्थ
- स्वस्थ रहने के लिए खेल आवश्यक